भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
20.08.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4392 का उत्तर

तमिलनाडु में आदर्श स्टेशन

4392. श्री ए. राजा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु राज्य में आदर्श स्टेशन योजना के अंतर्गत किए गए विकास कार्यों की स्थिति क्या है;

(ख) वर्तमान वर्ष में उद्घाटित/उद्घाटन के लिए तैयार आदर्श स्टेशनों की संख्या कितनी है; और

(ग) क्या यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सरकार की उक्त योजना के अंतर्गत तमिलनाडु में और अधिक स्टेशनों को शामिल करने की कोई योजना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): वर्तमान में, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों का विकास किया जा रहा है।

ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने और उन्हें बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए, भारतीय रेल ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका क्रियान्वयन करना सम्मिलित है। मास्टर प्लानिंग में शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वॉटर बूथ में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, बहुविध एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए कार्यकारी लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूनिर्माण आदि का प्रावधान

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से और यथा व्यवहार्य टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर का निर्माण भी शामिल है।

इस योजना के अंतर्गत तमिलनाडु राज्य में स्थित 77 स्टेशन चिह्नित किए गए हैं। तमिलनाडु राज्य में इस योजना के अंतर्गत चिह्नित स्टेशनों की सूची निम्नानुसार है:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
तमिलनाडु	77	अंबासमुद्रम, अंबत्तूर, अरक्कोणम् जंक्शन, अरियालुर, अवदी, बोम्मिडी, चेंगलपट्टू जंक्शन, चेन्नै बीच, चेन्नै एग्मोर, चेन्नै पार्क, चिदंबरम, चिन्ना सेलम, क्रोमपेट, कोयम्बटूर जंक्शन, कोयम्बटूर नॉर्थ, कुन्नूर, धर्मपुरी, दिंडिक्कल, इरोड जंक्शन, गुडुवनचेरी, गुइंडी, गुम्मिडीपूंडी, होसुर, जोलारपेट्टई जंक्शन, कन्याकुमारी टर्मिनस, कराइक्कुडी जं., करूर जंक्शन, काटपाडी, कोविलपट्टी, कुलितुरई, कुंभकोणम, लालगुडी, मदुरै जंक्शन, माम्बलम, मनापरई, मन्नारगुडी, मयिलाडुतुरै जं., मेट्टुपलयम, मोरप्पुर, नागरकोइल जंक्शन, नामक्कल, पलानी, परमाकुडी, पेरम्बूर, पोदनूर जंक्शन, पोलाची जं., पोलुर, पुदुक्कोट्टई, पुराची थलाईवर डॉ. एम.जी.रामचंद्रन सेंट्रल, राजापलायम, रामनाथपुरम, रामेश्वरम, सेलम, सामलपट्टी, शोलावंदन, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, ताम्बरम, तेनकासी, तंजावुर जंक्शन, तिरुवरुर जंक्शन. तिरुचेंदूर, तिरुनेलवेली जंक्शन, तिरुप्पादरिप्पुलयूर, तिरुपत्तूर, तिरुप्पुर, तिरुसुलम, तिरुत्तानी, तिरुवल्लुर, तिरुवन्नामलाई, तूतीकोरिन, उदगमंडलम, वेल्लूर कैंट, विल्लुपुरम जंक्शन, विरुधनगर, वृद्धाचलम जंक्शन

तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। अब तक, इस योजना के अंतर्गत तमिलनाडु राज्य में 09 स्टेशनों (चिदंबरम, कुलितुरई, मन्नारगुडी, पोलुर, सामलपट्टी, श्रीरंगम, सेंट थॉमस माउंट, तिरुवन्नामलाई एवं वृद्धाचलम जंक्शन) के चरण-I का कार्य पूरा हो चुका है।

अन्य स्टेशनों पर भी कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और उपरोक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- मोरप्पुर स्टेशन: नए स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, दिव्यांगजन पार्किंग, रैंप और कम ऊँचाई वाले टिकट बूथ, सहायता बूथ का सुधार कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफ़ॉर्म की सतह, प्रतीक्षालय, शौचालय, साइनेज, स्टेशन पर रोशनी, दिव्यांगजनों के अनुकूल शौचालय, वाटर बूथ, पैदल पार पुल के सुधार कार्य और लिफ्ट का कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- बोम्मिडी स्टेशन: स्टेशन भवन, 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, साइनेज, दिव्यांगजन पार्किंग, रैंप और कम ऊँचाई वाले टिकट बूथ, प्रकाश व्यवस्था, मार्गदर्शी स्पर्शनीय पथ, दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय, वाटर बूथ आदि का सुधार कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट, ब्रेल मैप और साइनेज के सुधार कार्य पूरे कर लिए गए हैं।

- तिरुवरुर जंक्शन स्टेशन: स्टेशन भवन कॉनकोर्स, बुकिंग कार्यालय, वेटिंग लॉबी, पहुँच मार्ग पेवर ब्लाक, लैंडस्केप, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर व प्लेटफ़ॉर्म की सतह, प्रतीक्षालय की फॉल्स सीलिंग, ग्रेनाइट फर्श, दीवार की टाइलें, रंगाई, साइनेज, फिसलन रहित सतहों का सुधार कार्य पूरा हो चुका है। दिव्यांगजन सुविधाओं,

जैसे प्रकाश व्यवस्था, मार्गदर्शी स्पर्शनीय पथ, सुगम्य पथ, मानक रैंप, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड, दिव्यांगजन पार्किंग, कम ऊँचाई वाले टिकट बूथ, सहायता बूथ, वाटर बूथ और स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था में सुधार का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- वेल्लोर कैंट स्टेशन: परिचलन क्षेत्र, बुकिंग कार्यालय, टर्मिनल भवन का एलीवेशन, नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म सतह में सुधार, प्रतीक्षालय, नए शौचालय, नए मेहराब, नई कंपाउंड दीवार, साइनेज, मानक रैंप, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड, दिव्यांगजन पार्किंग, कम ऊँचाई वाले टिकट बूथ, दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय, मार्गदर्शी स्पर्शनीय पथ, सुगम्य पथ, फिसलन रहित फर्श की सतह का सुधार कार्य पूरा हो चुका है। लैंडस्केप में सुधार, फर्नीचर प्रापण और स्टेशन प्रकाश व्यवस्था का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- अरियालुर स्टेशन: प्रवेश मंडप सहित टर्मिनल भवन, कॉनकोर्स, बुकिंग कार्यालय, वेटिंग लॉबी में सुधार, परिचलन क्षेत्र व प्लेटफ़ॉर्म सतह में सुधार, प्रतीक्षालय में सुधार, नया मेहराब, नया शौचालय, मानक रैंप, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड, दिव्यांगजन पार्किंग, कम ऊँचाई वाले टिकट बूथ, दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय, मार्गदर्शी स्पर्शनीय पथ, सुगम्य पथ, प्रकाश व्यवस्था का कार्य पूरा हो चुका है। पैदल पार पुल, नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर और सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड लगाने का कार्य शुरू हो चुका है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकतानुसार पारस्परिक प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/ आधुनिकीकरण के लिए कार्यों की स्वीकृति और क्रियान्वयन के समय निम्न श्रेणी के स्टेशनों की तुलना में उच्च श्रेणी के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

धन आवंटन:

भारतीय रेल यात्रियों को उन्नत एवं आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हाल के वर्षों में, रेल मंत्रालय ने ग्राहक सुविधाओं के उन्नयन हेतु पहले की तुलना में भारी निवेश किया है। 2004-14, 2014-25 और 2025-26 के दौरान योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत व्यय निम्नानुसार है:

अवधि	योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत व्यय
2004-14	₹ 6,733 करोड़
2014-25	₹ 35,591 करोड़
2025-26 (जुलाई, 2025 तक)	₹ 3,701 करोड़

इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को आम तौर पर योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के तहत वित्त पोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के तहत आवंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार, स्टेशन-वार या राज्यवार। तमिलनाडु राज्य दो जोनों, अर्थात् दक्षिण रेलवे और दक्षिण-पश्चिम रेलवे के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है। इन जोनों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए ₹1,571 करोड़ का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जुलाई, 2025 तक) ₹496 करोड़ का व्यय किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें

जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

******